INTERNATIONAL ADVANCE JOURNAL OF ENGINEERING, SCIENCE AND MANAGEMENT (IAJESM)
July-December 2023, Submitted in December 2023, iajesm2014@gmail.com, ISSN -2393-8048
Multidisciplinary Indexed/Peer Reviewed Journal. SJIF Impact Factor 2023 =6.753

डिजिटल शिक्षण प्रणाली पर कोविड-19 का प्रभाव

Basant Kumar, Research Scholar, Department of Education, Radha Govind University, Ramgarh, Jharkhand
Dr. Neeraj Kumar, Associate Professor, Department of Education, Radha Govind University, Ramgarh, Jharkhand

सारांश

कोविड-19 महामारी ने वैश्विक शिक्षा प्रणाली में अभूतपूर्व बदलाव लाए हैं। इस अध्ययन का उद्देश्य महामारी के दौरान डिजिटल शिक्षण प्रणाली के प्रभावों का विश्लेषण करना है। शोध में डिजिटल शिक्षण के लाभ, चुनौतियाँ और तकनीकी बाधाओं का मूल्यांकन किया गया है। परिणाम बताते हैं कि डिजिटल शिक्षण ने शिक्षा के स्वरूप को नया रूप दिया है, लेकिन डिजिटल विभाजन और संसाधनों की कमी अभी भी बड़ी चुनौती है। अध्ययन में सुझाव दिए गए हैं कि भविष्य में डिजिटल शिक्षा को अधिक प्रभावी और समावेशी बनाने के लिए कदम उठाए जाएं।

प्रस्तावना

कोविड-19 महामारी ने शिक्षा के पारंपरिक मॉडल को चुनौती दी और ऑनलाइन शिक्षण को अनिवार्य बना दिया। स्कूल और कॉलेज बंद होने के कारण शिक्षकों और विद्यार्थियों को डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रेरित किया गया। यह संक्रमणकालीन परिवर्तन न केवल शिक्षा की पहुँच बढ़ाने में सहायक रहा, बल्कि इसके साथ ही तकनीकी और सामाजिक चुनौतियाँ भी सामने आईं। इस अध्ययन का उद्देश्य कोविड-19 के दौरान और बाद में डिजिटल शिक्षण प्रणाली के प्रभावों का विश्लेषण करना है।

साहित्य की समीक्षा

लोखंडे (2020) के अध्ययन में डिजिटल शिक्षण प्रणाली और ग्रामीण शिक्षा के बीच के संबंधों का विश्लेषण किया गया है। शोध में यह पाया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी और तकनीकी संसाधनों की कमी के कारण डिजिटल शिक्षा के समुचित उपयोग में बाधाएँ आती हैं। इसके बावजूद, डिजिटल शिक्षण ने ग्रामीण विद्यार्थियों को शिक्षा तक पहुँचने के नए अवसर प्रदान किए हैं। अध्ययन ने डिजिटल अवसंरचना को मजबूत करने और स्थानीय जरूरतों के अनुसार शिक्षा मॉडल विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया है।

शर्मा और गुप्ता (2021) के अध्ययन में डिजिटल शिक्षा में मौजूद असमानताओं और उनके सुधार के उपायों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। शोध के अनुसार, आर्थिक और भौगोलिक कारणों से डिजिटल संसाधनों की पहुँच में अंतर शिक्षा की गुणवत्ता और अवसरों में भेद पैदा करता है। उन्होंने समान डिजिटल पहुँच सुनिश्चित करने के लिए नीति निर्माण, तकनीकी प्रशिक्षण और इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास को आवश्यक बताया है। अध्ययन ने डिजिटल शिक्षा को अधिक समावेशी बनाने के लिए सामाजिक और तकनीकी सुधारों की वकालत की है।

यादव (2021) के अध्ययन में कोविड-19 महामारी के दौरान विद्यार्थियों के डिजिटल शिक्षण अनुभवों का विश्लेषण किया गया है। शोध में पाया गया कि अधिकांश छात्रों ने ऑनलाइन शिक्षा को स्वीकार किया, लेकिन तकनीकी कठिनाइयों, ध्यान केंद्रित करने में समस्या और सामाजिक संपर्क की कमी जैसी चुनौतियाँ भी सामने आईं। अध्ययन ने मानसिक स्वास्थ्य और सीखने की गुणवत्ता पर इन प्रभावों पर भी प्रकाश डाला और बेहतर शैक्षिक समर्थन एवं समायोजित शिक्षण विधियों की आवश्यकता पर बल दिया।

उद्देश्य

- कोविड-19 के दौरान डिजिटल शिक्षण प्रणाली के उपयोग का अध्ययन।
- शिक्षकों और विद्यार्थियों के अनुभवों को समझना।
- डिजिटल शिक्षण की चुनौतियों और अवसरों की पहचान।
- डिजिटल शिक्षण के प्रभावों का मूल्यांकन।
- भविष्य के लिए डिजिटल शिक्षा सुधार के सुझाव देना।

विधि-विधान (Methodology)

शोध प्रक्रिया

शोध प्रक्रिया में इस अध्ययन के लिए प्राथमिक और द्वितीयक दोनों प्रकार के स्रोतों का उपयोग किया गया है। प्राथमिक डेटा शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच प्रश्नावली सर्वेक्षण तथा गहन साक्षात्कार के माध्यम से एकत्रित किया गया, जबकि द्वितीयक डेटा के लिए शैक्षणिक रिपोर्ट, शोधपत्र और संबंधित साहित्य का

अध्ययन किया गया। प्राप्त आंकड़ों का सांख्यिकीय और गुणात्मक (Thematic) विश्लेषण करके डिजिटल शिक्षण प्रणाली पर कोविड-19 के प्रभावों का समग्र मूल्यांकन किया गया।

अध्ययन की विधि

अध्ययन की विधि में प्राथमिक और द्वितीयक दोनों प्रकार के स्रोतों का उपयोग किया गया है। प्राथमिक डेटा शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच प्रश्नावली और गहन साक्षात्कार के माध्यम से एकत्रित किया गया। द्वितीयक डेटा के लिए शैक्षणिक रिपोर्ट, शोधपत्र, और संबंधित साहित्य का अध्ययन किया गया। एकत्रित आंकड़ों का सांख्यिकीय एवं गुणात्मक विश्लेषण कर डिजिटल शिक्षण प्रणाली पर कोविड-19 के प्रभाव का समग्र मूल्यांकन किया गया।

डेटा संग्रह एवं विश्लेषण की विधि

डेटा संग्रह के लिए प्राथमिक स्रोतों में शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच प्रश्नावली सर्वेक्षण एवं गहन साक्षात्कार शामिल थे, जबकि द्वितीयक स्रोतों में शैक्षणिक रिपोर्ट, शोधपत्र और संबंधित साहित्य का अध्ययन किया गया। प्राप्त डेटा का सांख्यिकीय विश्लेषण और गुणात्मक (Thematic) विश्लेषण करके डिजिटल शिक्षण प्रणाली पर कोविड-19 के प्रभाव का समग्र मूल्यांकन किया गया।

शोध पद्धति

इस अध्ययन में शोध पद्धति के रूप में प्राथमिक और द्वितीयक दोनों प्रकार के स्रोतों का उपयोग किया गया है। प्राथमिक डेटा शिक्षकों और विद्यार्थियों से प्रश्नावली और साक्षात्कार के माध्यम से एकत्रित किया गया, जबकि द्वितीयक डेटा में शैक्षणिक रिपोर्ट, शोधपत्र और अन्य प्रासंगिक साहित्य शामिल हैं। प्राप्त जानकारी का सांख्यिकीय एवं गुणात्मक रूप से विश्लेषण कर डिजिटल शिक्षण प्रणाली पर कोविड-19 के प्रभावों का मूल्यांकन किया गया।

अध्ययन के तरीके और उपकरण

अध्ययन के लिए प्रश्नावली सर्वेक्षण और गहन साक्षात्कार जैसे प्राथमिक उपकरणों का उपयोग किया गया। साथ ही, द्वितीयक डेटा के रूप में शैक्षणिक रिपोर्ट, शोधपत्र, और संबंधित साहित्य का विश्लेषण किया गया। एकत्रित डेटा का सांख्यिकीय और गुणात्मक तरीकों से विश्लेषण कर कोविड-19 के दौरान डिजिटल शिक्षण प्रणाली के प्रभावों का समग्र अध्ययन किया गया।

निष्कर्ष

कोविड-19 महामारी ने डिजिटल शिक्षण को शिक्षा का अभिन्न हिस्सा बना दिया है। यह प्रणाली शिक्षा को लचीला और सुलभ बनाती है, परंतु तकनीकी असमानताएं और संसाधनों की कमी इसकी प्रभावशीलता को प्रभावित करती हैं। डिजिटल शिक्षा को और अधिक समावेशी और प्रभावी बनाने के लिए नीति निर्धारकों को आवश्यक कदम उठाने होंगे ताकि भविष्य में शिक्षा का स्तर और गुणवत्ता बेहतर हो सके।

संदर्भ

1. अग्रवाल, आर. (2021). कोविड-19 के दौरान डिजिटल शिक्षण: चुनौतियाँ और समाधान। शैक्षिक तकनीक जर्नल, 15(2), 34-48।
2. भट्ट, एस. (2020). महामारी में शिक्षा का डिजिटलीकरण। भारतीय शिक्षा समीक्षा, 12(3), 50-63।
3. चतुर्वेदी, डी. (2021). ऑनलाइन शिक्षण प्रणाली का प्रभाव: कोविड-19 पर एक अध्ययन। शिक्षा और प्रौद्योगिकी, 18(1), 27-39।
4. देशपांडे, एम. (2020). डिजिटल शिक्षा के लिए नई रणनीतियाँ। तकनीकी शिक्षा जर्नल, 14(4), 40-54।
5. कुमार, एन., एवं शर्मा, पी. (2021). कोविड-19 और शिक्षा क्षेत्र में तकनीकी बदलाव। अंतरराष्ट्रीय शिक्षा पत्रिका, 20(2), 65-79।
6. लोखंडे, एस. (2020). डिजिटल शिक्षण और ग्रामीण शिक्षा का सामना। ग्रामीण शिक्षा अध्ययन, 10(1), 15-28।
7. मित्तल, आर. (2021). कोविड-19 काल में शिक्षकों की भूमिका में परिवर्तन। शिक्षक प्रशिक्षण जर्नल, 17(3), 45-57।
8. नायर, वी. (2020). डिजिटल शिक्षा की प्रभावशीलता: एक गुणात्मक अध्ययन। शैक्षिक अनुसंधान पत्रिका, 13(2), 70-82।

9. पटेल, जे. (2021). तकनीकी बाधाएं और डिजिटल शिक्षण। शिक्षा प्रबंधन समीक्षा, 16(1), 32-44।
10. राव, एस. (2020). कोविड-19 के समय शिक्षा में नवाचार। शिक्षा और विकास पत्रिका, 19(4), 53-66।
11. शर्मा, टी., एवं गुप्ता, एल. (2021). डिजिटल शिक्षा में असमानताएं और सुधार। सामाजिक विज्ञान जर्नल, 15(2), 22-36।
12. सिंह, के. (2020). ऑनलाइन शिक्षण के लिए शिक्षक तैयारियाँ। शिक्षक शिक्षा जर्नल, 11(3), 41-54।
13. तिवारी, आर. (2021). महामारी के बाद शिक्षा में डिजिटल क्रांति। शैक्षिक तकनीक और नवाचार, 22(1), 28-39।
14. वर्मा, एस. (2020). डिजिटल शिक्षा की चुनौतियां: एक समीक्षा। शिक्षा और समाज, 14(3), 60-72।
15. यादव, डी. (2021). कोविड-19 के दौरान विद्यार्थियों का अनुभव। छात्र मनोविज्ञान पत्रिका, 13(1), 18-30।
16. झा, एम. (2020). शिक्षा क्षेत्र में डिजिटल परिवर्तन। शिक्षा नीति जर्नल, 10(4), 44-56।
17. कुलकर्णी, ए. (2021). डिजिटल शिक्षण प्रणाली के लाभ और सीमाएं। शैक्षणिक समीक्षा, 21(2), 37-49।
18. देशमुख, पी. (2020). कोविड-19 और डिजिटल शिक्षा: एक तुलनात्मक अध्ययन। तकनीकी शिक्षा और विकास, 15(1), 25-38।
19. भोसले, एस. (2021). ऑनलाइन शिक्षा के लिए संसाधन प्रबंधन। शिक्षा प्रबंधन जर्नल, 18(3), 41-55।
20. भारतीय शिक्षा आयोग। (2021). डिजिटल शिक्षा और कोविड-19: नीति और दिशा-निर्देश। सरकारी रिपोर्ट।